पु्ना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Claas-VI

Hindi

Specimen copy

Year- 2020-21

Semester- 2

December

वसंत

भाग 1

कक्षा 6 के लिए हिंदी की पाठ्यपुस्तक

पाठ- 15 नौकर
- अनु बधोपाध्याय

* शब्दार्थ

1-कौपनधारी- लंगोट धारण करनेवाला
2-हैरत- चमत्कार, अचंभा
3-छात्र- विदयार्थी
4-आगंतुक- अतिथि
5-पेंदी- तल, आधार
6-कालिख- कलंक
7-क्षमता-योग्यता
8-तश्तरियों- छोटी रकाबी
9-सर्वथा- पूरा, स्पष्टवादी
10-सामर्थ्य- क्षमता

* अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1- गांधी जी घर के लिए आटा कैसे तैयार करते थे?

उत्तर- गांधी जी ज़रूरत का महीन या मोटा आटा सुबह-शाम चक्की से पीसकर तैयार कर लेते थे।

2- गांधी द्वारा भोजन परोसने के कारण आश्रमवासियों को क्या सहना पड़ता था?

उत्तर- उनको बेस्वाद भोजन खाकर ही रहना पड़ता था।

3- बोअर-युद्ध के दौरान गांधी जी ने क्या किया?

उत्तर- बोअर-युद्ध के दौरान गांधी जी ने घायलों को स्ट्रेचर पर ढोया था।

4- गांधी जी लिखते समय किस बात का ध्यान रखते थे?

उत्तर- गांधी जी रात को लालटेन की रोशनी में पत्र लिखते थे। जब तेल खत्म हो जाता तब वे चंद्रमा की रोशनी में पत्र पूरा करते थे।

* लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1- आश्रम के निर्माण के समय कौन-सी घटना घटित हुई?

उत्तर- आश्रम के निर्माण के समय वहाँ आने वाले मेहमानों को तंबुओं में सोना पड़ता था। एक नवागत को पता नहीं था कि अपना बिस्तर कहाँ रखना चाहिए, इसलिए उसने बिस्तर को लपेटकर रख दिया और यह पता लगाने गया कि उसे कहाँ रखना है। लौटते समय उसने देखा कि गांधी जी खुद उसका बिस्तर कंधे पर उठाए रखने चले जा रहे हैं।

2- नौकरों के बारे में गांधी जी के क्या विचार थे?

उत्तर- गांधी जी नौकरों को भी अपने भाइयों के समान मानते थे। उनका विचार था कि नौकर वेतन लेने वाले मजदूर नहीं। हमें उनके साथ सदैव भाई जैसा व्यवहार करना चाहिए।

3- आश्रम में किसी सहायक को रखते समय गांधी जी का क्या-क्या आग्रह रहता था? क्यों?

उत्तर- आश्रम में किसी सहायक को रखते समय गांधी जी इस बात का आग्रह करते थे कि हरिजन को रखा जाए। उनका कहना था कि नौकरों को हमें वेतन भोगी मज़दूर नहीं, अपने भाई के समान समझना चाहिए। इससे कुछ कठिनाई हो सकती, कुछ चोरियाँ हो सकती हैं। फिर भी हमारी कोशिश सर्वथा निष्फल नहीं जाएगी।

* दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1- आश्रम में कॉलेज के छात्रों से गाँधी जी ने कौन-सा काम करवाया और क्यों?

उत्तरः- आश्रम में कॉलेज के छात्रों से गाँधी जी ने गेंहूँ बीनने का काम करवाया। एक बार गाँधी जी से मिलने के लिए कॉलेज के कुछ छात्र आए थे। उन सभी को अपने अंग्रेज़ी ज्ञान पर

बड़ा गर्व था। बातचीत के दौरान छात्रों ने उनसे कार्य माँगा छात्रों को लगा कि गाँधी जी उन्हें पढ़ने-लिखने से संबंधित कोई कार्य देंगें गाँधी जी उनकी इस मंशा को भाँप गए और गाँधी जी ने छात्रों को गेंहूँ बीनने का कार्य सौंप दिया। वास्तव में इस कार्य द्वारा गाँधी जी छात्रों को समझाना चाहते थे कि कोई कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता।

2- लंदन में भोज पर बुलाए जाने पर गाँधी जी ने क्या किया?

उत्तरः- दक्षिण अफ्रीका में रहने वाले भारतीयों के जाने-माने नेता के रूप में गाँधी भारतीय प्रवासियों की माँगों को ब्रिटिश सरकार के सामने रखने के लिए एक बार लंदन गए। वहाँ उन्हें भारतीय छात्रों ने एक शाकाहारी भोज में निमंत्रित किया। छात्रों ने इस अवसर के लिए स्वयं ही शाकाहारी भोजन तैयार करने का निश्चय किया था। तीसरे पहर दो बजे एकदुबला-पतला और छरहरा आदमी आकर उनमें शामिल हो गया और तश्तरियाँ धोने, सब्जी साफ़ करने और अन्य छुट-पुट काम करने में उनकी मदद करने लगा। बाद में छात्रों का नेता वहाँ आया तो क्या देखता है कि वह दुबला-पतला आदमी और कोई नहीं, उस शाम को भोज में निमंत्रित उनके सम्मानित अतिथि गाँधी थे। इस प्रकार गाँधी जी ने बिना किसी संकोच के छात्रों की मदद की।

3- गाँधी जी ने श्रीमती पोलक के बच्चे का दूध कैसे छुड़वाया?

उत्तरः- एक बार दक्षिण अफ्रीका में जेल से छूटने के बाद घर लौटने पर उन्होंने देखा कि उनके मित्र की पत्नी श्रीमती पोलक बहुत ही दुबली और कमजोर हो गई हैं। उनका बच्चा उनका दूध पीना छोड़ता नहीं था और वह उसका दूध छुड़ाने की कोशिश कर रही थीं। बच्चा उन्हें चैन नहीं लेने देता था और रो-रोकर उन्हें जगाए रखता था। गाँधीजी जिस दिन लौटे, उसी रात से उन्होंने बच्चे की देखभाल का काम अपने हाथों में ले लिया। बच्चे को श्रीमती पोलक के बिस्तर पर से उठाकर अपने बिस्तर पर लिटा लेते थे। वह चारपाई के पास एक बरतन में पानी भरकर रख लेते बच्चे को प्यास लगे तो उसे पिला दें। एक पखवाड़े तक माँ से अलग सुलाने के बाद बच्चे ने माँ का दूध छोड़ दिया। इस उपाय से गाँधी जी ने बच्चे का दूध छुड़वाया।

4- आश्रम में काम करने या करवाने का कौन-सा तरीका गाँधी जी अपनाते थे?

उत्तरः- गाँधी जी दूसरों से काम करवाने में बड़े सख्त थे। परन्तु अपने लिए काम करवाना उन्हें पसंद न था। वे अपना कार्य स्वयं करते थे उसमें वे किसी की सहायता भी नहीं लेते थे। गाँधी जी को काम करता देख उनके अनुयायी भी उनका अनुकरण कर कार्य करने लगते थे। इस प्रकार गाँधी जी अपने स्वयं के उदाहरण द्वारा लोगों को काम करने की प्रेरणा देते थे।

व्याकरण-विभाग

मुहावरा- संक्षेप में ऐसा वाक्यांश, जो अपने साधारण अर्थ को छोड़कर किसी विशेष अर्थ को व्यक्त करे, मुहावरा कहलाता है।

1. **अँगारे बरसना**— अत्यधिक गर्मी पड़ना।
   जून मास की दोपहरी में अंगारे बरसते प्रतीत होते हैं।

2. **अंगारों पर पैर रखना-** कठिन कार्य करना।
   युद्ध के मैदान में हमारे सैनिकों ने अंगारों पर पैर रखकर विजय प्राप्त की।

3. अँगारे सिर पर धरना— विपत्ति मोल लेना।
सोच-समझकर काम करना चाहिए। उससे झगड़ा लेकर व्यर्थ ही अंगारे सिर पर मत धरो।

4. अँगूठा चूसना- बड़े होकर भी बच्चों की तरह नासमझी की बात करना।
कभी तो समझदारी की बात किया करो। कब तक अंगूठा चूसते रहोगे?

5. अँगूठा दिखाना- इनकार करना।
बेटे के प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने पर किशोरी ने उन्हें याद दिलाई तो उन्होंने उसे अँगूठा दिखा दिया।

6. अँगूठी का नगीना- अत्यधिक सम्मानित व्यक्ति अथवा वस्तु।
अकबर के नवरत्नों में बीरबल तो जैसे अंगूठी का नगीना थे।

7. अंग-अंग फूले न समाना- अत्यधिक प्रसन्न होना।
राम के अभिषेक की बात सुनकर कौशल्या का अंग-अंग फूले नहीं समाया।

8. अंगद का पैर होना- अति दुष्कर/असम्भव कार्य होना।
यह पहाड़ी कोई अंगद का पैर तो है नहीं, जिसे हटाकर रेल की पटरी न बिछाई जा सके।

9. अन्धी सरकार— विवेकहीन शासन।
कालाबाजारी खूब फल-फूल रही है, किन्तु अन्धी सरकार उन्हीं का पोषण करने में लगी है।

10. अन्धे की लाठी लकड़ी.होना- एकमात्र सहारा होना।
निराशा में प्रतीक्षा अन्धे की लाठी है।

11. अन्धे के आगे रोना- निष्ठुर के आगे अपना दुःखड़ा रोना।।
जिस व्यक्ति ने पैसों के लिए अपनी पत्नी को जलाकर मार दिया, उससे सहायता माँगना तो अन्धे के आगे रोना जैसा व्यर्थ है।

12. अम्बर के तारे गिनना- नींद न आना।
तुम्हारे वियोग में मैं रातभर अम्बर के तारे गिनता रहा।

क्रिया–विशेषण

- जो शब्द क्रिया की विशेषता प्रकट करते हैं, वे क्रिया विशेषण कहलाते हैं। क्रिया विशेषण के निम्नलिखित चार भेद होते हैं।

१-काल वाचक क्रिया विशेषण
२-स्थान वाचक क्रिया विशेषण
३-परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
४-रीति वाचक क्रिया विशेषण

1) काल वाचक क्रिया विशेषण की परिभाषा-

क्रिया विशेषण शब्द से कार्य के होने का समय ज्ञात हो तो वह काल वाचक क्रिया विशेषण कहलाता है। इसमें बहुदा ये शब्द प्रयोग में आते हैं- यदा, कदा,जब, तब, हमेशा, तभी, तत्काल, निरंतर, शीघ्र, पूर्व, बाद, पीछे, घड़ी-घड़ी, अब, तत्पश्चात, कल, कई बार, अभी, फिर कभी आदि।

काल वाचक क्रिया विशेषण

१-मैं अभी आ रहा हूं।
२-फिर कभी चलेंगे।
३-पानी निरंतर बह रहा है।

2)स्थान वाचक क्रिया विशेषण की परिभाषा-

जिस क्रिया विशेषण शब्द द्वारा क्रिया के होने के स्थान का बोध हो वह स्थान वाचक क्रिया विशेषण कहलाता है। इसमें ज्यादातर यह शब्द प्रयोग में आते हैं भीतर, बाहर, अंदर, यहां, वहां, किधर, इधर-उधर, कहां, जहां, दूर, अन्यत्र, इस ओर, उस ओर, दाएं, बाएं, ऊपर, नीचे आदि।

स्थान वाचक क्रिया विशेषण

१-भीतर जाकर बैठिए
२-यहां से चले जाइए।
३-किधर जा रहे हो

3)परिमाणवाचक क्रिया विशेषण की परिभाषा-

जो शब्द क्रिया का परिमाण बतलाते हैं वह परिमाणवाचक क्रिया विशेषण कहलाते हैं। इसमें बहुदा थोड़ा-थोड़ा, अत्यंत, अधिक, अल्प, बहुत, कुछ, पर्याप्त, तक, कम, न्यून, बूंद बूंद, स्वल्प, केवल आदि शब्द प्रयोग में आते हैं।

परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

१-थोड़ा थोड़ा अभ्यास कीजिए
२-वह अधिक बोलता है

4)रीति वाचक क्रिया विशेषण की परिभाषा-

जिन शब्दों के द्वारा क्रिया के संपन्न होने की रीति का बोध होता है वे रीती वाचक क्रिया विशेषण कहलाते हैं।

इनमें झटपट, आप ही आप, ध्यान पूर्वक ,धड़ाधड़, यथा, ठीक, सचमुच, अवश्य, वास्तव में, निस्संदेह, बेशक, शायद, संभव है, कदाचित, बहुत करके, ठीक, सच, जी, जरूर, आते हो, इसलिए, क्योंकि, नहीं, कभी नहीं, कदापि नहीं आदि शब्द आते हैं।

रीति वाचक क्रिया विशेषण

१-दिन जल्दी जल्दी ढलता है।
२-संभव है कि वह आए

३-धीरे-धीरे चलिए

लेखन-विभाग
सूचना

26 जुलाई 2020

दोहा गायन प्रतियोगिता के लिए सूचना

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि अन्तः विद्यालयी दोहा गायन प्रतियोगिता विद्यालय के सभागार में आयोजित है | इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों के नाम आमंत्रित हैं|

दिनांक - 30 जुलाई 20 - -

समय - प्रातः 10 बजे

स्थान - विद्यालय सभागार

विषय - दोहा गायन

प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी अपना नाम 30 जुलाई 20 - -तक हिंदी साहित्य समिति के सचिव को दें |

हरीओम दूबे

सचिव

हिंदी साहित्य समिति

* चित्र-वर्णन कीजिए।

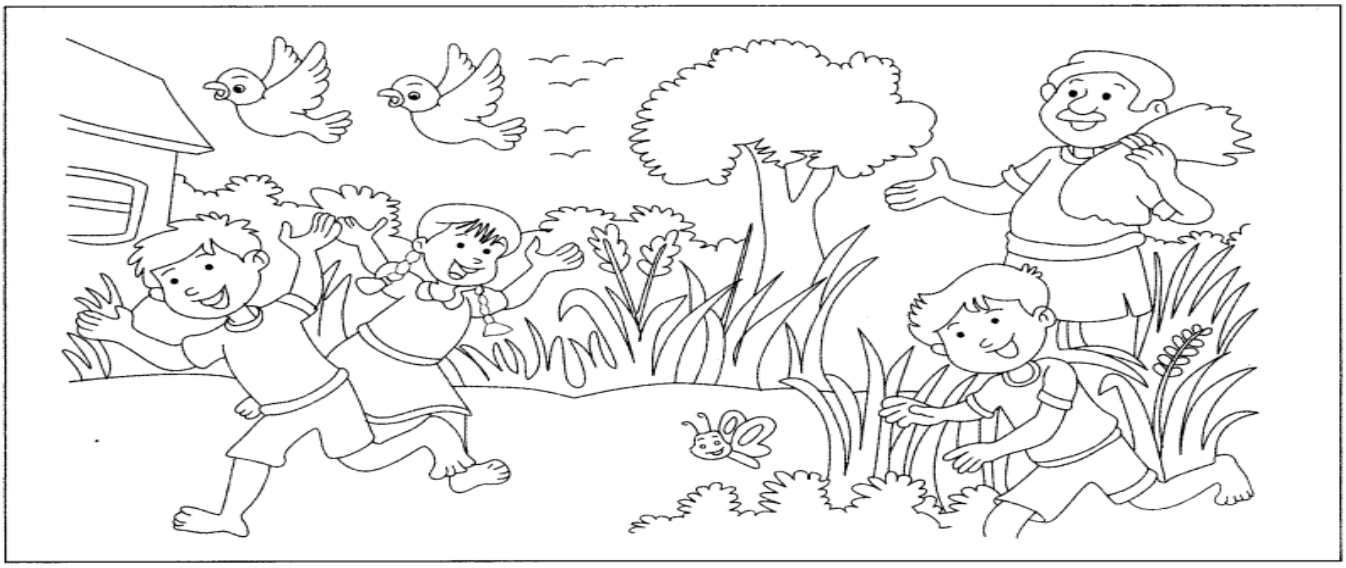

यह मनभावन वसंत ऋतु का चित्र है। इस समय प्रकृति में सर्वत्र उल्लास का वातावरण छाया है। फ़सलें देखकर किसान हर्षित है। पक्षी वसंत आने की सूचना देते हुए आकाश में उड़-फिर रहे हैं। बालक उछल-कूद रहे हैं। इन्हीं में एक छात्र तितली पकड़ने का प्रयास कर रहा है।

* **गतिविधि- गाँधीजी का चित्र बनाओ।**

बाल–रामकथा

पाठ– 12 राम का राज्याभिषेक

प्रश्न-1 विभीषण क्यों चाहते थे कि राम कुछ दिन लंका में रुक जाएँ?

उत्तर- विभीषण चाहते थे कि राम कुछ दिन लंका में रुक जाएँ क्योंकि वह राम से रीति – नीति सीखना चाहते थे।

प्रश्न-2 कौन से विमान से राम और सीता अयोध्या गए?

उत्तर- पुष्पक विमान से राम और सीता अयोध्या गए।

प्रश्न-3 विभीषण के आग्रह करने पर भी राम लंका में क्यों नहीं रुकना चाहते थे?

उत्तर - विभीषण के आग्रह करने पर भी राम लंका में नहीं रुकना चाहते थे क्योंकि उनके वनवास के चौदह वर्ष पूरे हो गए थे और वह तत्काल अयोध्या लौटना चाहते थे।

प्रश्न-4 राम ने हनुमान को अयोध्या भेजते समय क्या निर्देश दिए?

उत्तर- राम ने हनुमान को अयोध्या भेजते समय निर्देश दिए कि वह भरत को उनके आने की सूचना देते समय ध्यान से देखें कि यह समाचार सुनकर उनके चेहरे पर कैसे भाव आते हैं।

प्रश्न-5 सीता के आग्रह पर विमान किष्किंधा में क्यों उतरा?

उत्तर- सीता के आग्रह पर विमान किष्किंधा में सुग्रीव की रानियों तारा और रूपा को लेने उतरा।

प्रश्न-6 गंगा-यमुना के संगम पर किसका आश्रम था?

उत्तर - गंगा-यमुना के संगम पर ऋषि भरद्वाज का आश्रम था।

प्रश्न-7 राम सीधे अयोध्या क्यों नहीं जाना चाहते थे?

उत्तर - राम सीधे अयोध्या नहीं जाना चाहते थे क्योंकि उनके मन में प्रश्न था कि चौदह वर्ष की अवधि कम नहीं होती, कहीं इस अवधि में भरत को सत्ता का मोह न हो गया हो|

प्रश्न-8 भरत के प्रसन्नता का कारण क्या था?

उत्तर - भरत के प्रसन्नता का कारण राम का वापस अयोध्या लौटना था।

प्रश्न-9 शत्रुघ्न ने राम के राज्याभिषेक की कैसी तैयारी की थी?

उत्तर- राम के राज्याभिषेक के लिए पूरा नगर दीपों और फूलों से सजाया गया था ।

प्रश्न-10 रामराज्य की विषेशताएँ लिंखें।

उत्तर- राम के राज में किसी को कष्ट नहीं था। सब सुखी थे। भेदभाव नहीं था। कोई बीमार नहीं पड़ता था। खेत हरे-भरे थे। पेड़ फलों से लदे रहते थे। राम न्यायप्रिय थे।

प्रश्न-11 राम ने पुष्पक विमान को किसके पास भेज दिया?

उत्तर - राम ने पुष्पक विमान को कुबेर के पास भेज दिया।

प्रश्न-12 पुष्पक विमान किसका था और उसे किसे छीन लिया था?

उत्तर - पुष्पक विमान कुबेर का था और उसे रावण ने बल से छीन लिया था।

प्रश्न-13 अयोध्या के नगरवासी क्यों प्रसन्न थे?

उत्तर - अयोध्या के नगरवासी प्रसन्न थे क्योंकि उन्हें उनके राम वापस मिल गए थे।

प्रश्न-14 राम का राजतिलक किसने किया?

उत्तर - राम का राजतिलक मुनि वशिष्ठ ने किया।

प्रश्न-15 सीता ने आपने गले का हार किसे दिया?

उत्तर - सीता ने आपने गले का हार हनुमान को दिया।

पाठ- 17 साँस साँस में बाँस
- एलेक्स एम जॉज

*** शब्दार्थ**

1-करतब- प्रदर्शन
2-तरकीब- उपाय
3-खपच्चियों- वेतन
4-मसलन- उदाहरण के रूप में
5-गुड़हल- एक वृक्ष का नाम
6-बागानों- बगीचा
7-निर्भर- आश्रित, परतंत्र

*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

1- बाँस को बूढ़ा कब कहा जा सकता है? बूढ़े बाँस में कौन सी विशेषता होती है जो युवा बाँस में नहीं पाई जाती?

उत्तरः-तीन वर्ष से अधिक उम्र वाले बाँस को बूढ़ा बाँस कहा जाता है। बूढ़ा बाँस बड़ा ही सख्त होता है और जल्दी टूट जाता है उसके विपरीत युवा बाँस मुलायम होता है और उसे किसी भी आकार में मोड़ा जा सकता है।

2- बाँस से बनाई जाने वाली चीज़ों में सबसे आश्चर्यजनक चीज़ तुम्हें कौन सी लगी और क्यों?

उत्तरः-बाँस से बनाई जाने वाली चीज़ों में सबसे आश्चर्यजनक चीज़ मुझे मछली पकड़ने वाला जाल जकाई लगी। असम में जकाई नामक विशेष जाल से मछली पकड़ी जाती है और इसे बॉस से बनाया जाता है। इसकी शंकू जैसी विशेष बनावट के कारण ये आश्चर्यजनक लगता है।

3- बाँस की बुनाई मानव के इतिहास में कब आरंभ हुई होगी?

उत्तरः-कहा जाता है कि इंसान ने जब हाथ से कलात्मक चीज़ें बनानी शुरू कीं, बाँस की चीज़ें तभी से बन रही हैं। जरूरत के अनुसार इसमें बदलाव हुए हैं और अब भी हो रहे हैं। कहते हैं कि बाँस की बुनाई का रिश्ता उस दौर से है, जब इंसान भोजन इकठ्ठा करता था। शायद भोजन इकठ्ठा करने के लिए ही उसने ऐसी डलियानुमा चीज़ें बनाई होंगी। क्या पता बया जैसी किसी चिड़िया के घोंसले से टोकरी के आकार और बुनावट की तरकीब हाथ लगी हो।

4- बाँस के विभिन्न उपयोगों से संबंधित जानकारी देश के किस भू-भाग के संदर्भ में दी गई है?

उत्तरः- बाँस भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के सात राज्यों- अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम, व त्रिपुरा में बहुत पैदा होता है।

5- कौन सा बाँस काटा जाता है और क्यों? या बाँस को बूढ़ा कब कहा जा सकता है? बूढ़े बाँस में कौन सी विशेषता होती है जो युवा बाँस में नहीं पाई जाती?

उत्तर- एक से तीन साल की उम्र वाले बाँस बूढ़े बाँस कहलाते हैं। ये सख्त होते हैं इसलिए आसानी से टूट जाते हैं। इसके विपरीत युवा बाँस लचीला होता है। ये आसानी से नहीं टूटता।

6- बाँस के कई उपयोग इस पाठ में बताए गए हैं। लेकिन बाँस के उपयोग का दायरा बहुत बड़ा है। नीचे दिए गए शब्दों की मदद से तुम इस दायरे को पहचान सकते हो- संगीत , मच्छर , फर्नीचर , प्रकाशन

उत्तर- संगीत- बाँस के बने वाद्य यंत्र।

मच्छर- मच्छरदानी के बाँस।

फर्नीचर- फर्नीचर के बाँस।

प्रकाशन- बाँस का बुरादा किताब या कागज़ बनाने के लिए।

व्याकरण-विभाग

पर्यायवाची शब्द की परिभाषा-

'पर्याय' का अर्थ है- 'समान' तथा 'वाची' का अर्थ है- 'बोले जाने वाले' अर्थात जिन शब्दों का अर्थ एक जैसा होता है, उन्हें 'पर्यायवाची शब्द' कहते हैं।

1	आचार्य	शिक्षक, अध्यापक, प्राध्यापक, गुरु।
2	आरंभ	श्रीगणेश, शुभारंभ, प्रारंभ, शुरुआत
3	इंदु	चाँद, चंद्रमा, चंदा, शशि, मयंक, महताब।
4	ईर्ष्या	विद्वेष, जलन, कुढ़न, ढाह।
5	उपवन	बाग़, बगीचा, उद्यान, वाटिका, गुलशन।
6	उषा	सुबह, भोर, ब्रह्ममुहूर्त।
7	ऋषि	साधु, महात्मा, मुनि, योगी, तपस्वी।
8	एहसान	कृपा, अनुग्रह, उपकार।
9	ओंठ	ओष्ठ, अधर, लब, होठ।
10	ऐश्वर्य	समृद्धि, विभूति।
11	औरत	स्त्री, जोरू, महिला, नारी, वनिता, घरवाली।
12	औषधालय	चिकित्सालय, दवाखाना, अस्पताल।

13	कमल	अरविन्द, पुष्कर, पंकज, नीरज, सरोज, जलज,

वाक्य

* **वाक्य-** दो या दो से अधिक पदों के सार्थक समूह को, जिसका पूरा पूरा अर्थ निकलता है, वाक्य कहते हैं।

वाक्य के प्रकार (भेद)

अर्थ के आधार पर वाक्य के प्रकार

1) विधानवाचक वाक्य (Affirmative sentence)

जिस वाक्य से क्रिया **करने या होने का बोध** हो , उसे विधानवाचक वाक्य कहते है।

जैसे :- रमा खेल रही है।

2) निषेधवाचक वाक्य (Negative sentence)

जिस वाक्य में क्रिया **न करने या न होने का बोध** हो , उसे निषेधवाचक वाक्य कहते है।

जैसे :- बाहर जाना **मना** है।

3) प्रश्नवाचक वाक्य (Interrogative sentence)

जिस वाक्य में **प्रश्न का बोध** हो , उसे प्रश्नवाचक वाक्य कहते है।

जैसे :- तुम **क्या** कर रहे हो ?

4) संदेहवाचक वाक्य (Skeptical sentence)

जिस वाक्य में **संदेह या संभावना का बोध** हो , उसे संदेहवाचक वाक्य कहते है।

जैसे :- शायद आज बारिश होगी।

5) संकेतवाचक वाक्य (Indicative sentence)

जिस वाक्य में **एक क्रिया दूसरी क्रिया पर निर्भर होने का संकेत** हो , उसे संकेतवाचक वाक्य कहते है।

जैसे :- यदि बारिश होती **तो** पानी की कमी न होती।

6) इच्छावाचक वाक्य (Optative sentence)

जिस वाक्य में **इच्छा , शुभकामना , आशीर्वाद , आशा आदि के भाव** प्रकट हों , उसे इच्छावाचक वाक्य कहते है।

जैसे :- मुझे आज बाहर जाने का मन हो रहा है।
आप अच्छे अंको से पास हो।
सदा कल्याण हो।
अच्छे के लिए आशा !

7) आज्ञावाचक वाक्य (Imperative sentence)

जिस वाक्य में **आज्ञा , उपदेश , आदेश , अनुमति या प्रार्थना आदि के भाव** प्रकट हो , उसे आज्ञावाचक वाक्य कहते है।

जैसे :- तुम बाहर जाओ। (आज्ञा-order का भाव)
निरंतर कोशिश करने वाले कभी हारते नहीं।
तुम खेलने के लिए बाहर जा सकते हो।
हे प्रभु ! मेरा विश्वास कमज़ोर न हो।

8) विस्मयादिवाचक वाक्य (Exclamatory sentence)

जिस वाक्य में **विस्मय , हर्ष , क्रोध , घृणा आदि के भाव** प्रकट हों , उसे विस्मयादिबोधक वाक्य कहते है।

जैसे :- अरे ! तुम कितनी सुंदर लग रही हो।
धन्य – धन्य ! तुम पहले नंबर से पास हो गए।
बस करो ! तुम्हें कुछ समज में नहीं आता ?

रचना के आधार पर वाक्य प्रकार

1) सरल वाक्य (simple sentence)

जिस वाक्य में **एक उद्देश्य और एक विधेय** होता है , उसे सरल वाक्य कहते है।

जैसे :- सोहन खेलता है। ('सोहन' उद्देश्य है और 'खेलता है ' विधेय है।)

2) संयुक्त वाक्य (compound sentence)

जिस में **दो या अधिक स्वतंत्र उपवाक्य** होते है और वे 'या' , 'किंतु' , 'और' जैसे समुच्चबोधकों(conjunctions) से जुड़े होते हैं , उसे संयुक्त वाक्य कहते है।

जैसे :- शिला बहादुर है और चतुर भी है। ('शिला बहादुर है।' , 'चतुर भी है।' दोनों स्वतंत्र उपवाक्य है। 'और ' समुच्चयबोधक अव्यय है।)

3) मिश्र वाक्य (complex sentence)

जिस वाक्य में **उपवाक्य मुख्य उपवाक्य पर आश्रित** होता है और वे 'कि ' , ' तथापि ' , ' इसलिए ' जैसे समुच्चयबोधकों(conjunctions) से जुड़े होते है , उसे मिश्र वाक्य कहते है।

जैसे :- मैंने देखा कि पर्दे के पीछे कोई छिपा था। ('मैंने देखा' मुख्य उपवाक्य है और 'पर्दे के पीछे कोई छिपा था।' आश्रित उपवाक्य है। 'कि ' समुच्चयबोधक अव्यय है।)

लेखन-विभाग

पत्र-लेखन

पर्यावरण में हो रही क्षति के सन्दर्भ में अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का निवेदन करते हुए किसी प्रतिष्ठित दैनिक पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए।

424, शालीमार बाग,
दिल्ली।

दिनांक 16 मार्च, 2020

सेवा में,
सम्पादक महोदय,
नवभारत टाइम्स,
दिल्ली।

विषय- अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के सम्बन्ध में।

महोदय,
इस पत्र के माध्यम से मैं प्रशासन, सरकार व आम जनता का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहती हूँ कि वृक्षों की अन्धाधुन्ध कटाई व कारखानों से निकलने वाले धुएँ के कारण पर्यावरण को अत्यधिक क्षति हो रही है। यद्यपि वन महोत्सव के अवसर पर वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आरम्भ किया जाता है तथा अनेक वृक्ष भी लगाए जाते हैं, परन्तु उनकी देखभाल नहीं की जाती जिसके कारण पर्यावरण में प्रदूषण का खतरा बढ़ता जा रहा है।

मेरा सभी से निवेदन है कि हम सभी को मिलकर अधिक से अधिक वृक्ष लगाने होंगे जिससे हम पर्यावरण को सुरक्षित कर पाएँगे।

धन्यवाद।

भवदीय
राहुल

* चित्र-वर्णन कीजिए।

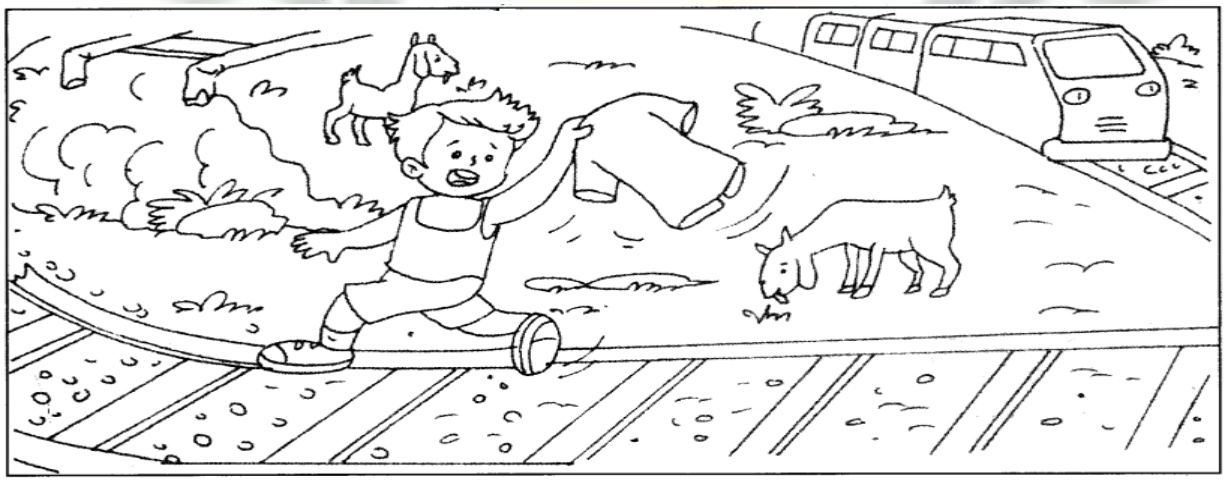

चित्र में एक नदी है। जिस पर बना रेलवे का पुल टूटा है। दूर से ट्रेन आती दिख रही है। टूटे पुल के पास एक बालक अपने जानवर चरा रहा है। ट्रेन को नदी में गिरने से बचाने के लिए बालक अपनी लाल कमीज लहराकर ट्रेन रुकवाने का प्रयास कर रहा है।

गतिविधि– बाँस का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।